लैंगकि पक्षपात पाँच साल से कम उम्र की बालकिाओं की अतरिक्ति मौतों का प्रमुख कारण : लांसेट अध्ययन

चर्चा में क्यों

'द लांसेट ग्लोबल हेल्थ' जर्नल के अनुसार भारत में पाँच साल से कम उम्र की बालकिाओं की 'अतरिक्ति मौतों' (excess deaths) के पीछे लैंगकि पक्षपात प्रमुख कारण है। भारत में पाँच साल से कम उम्र की बालकिाओं की प्रतविर्ष 2,39,000 अतरिक्ति मौतें दर्ज की गई हैं, जसिमें 35 राज्यों/केंद्र शासति प्रदेशों में से 29 का योगदान है।

प्रमुख बदिु

- ये अतरिक्ति मौतें देश के 90 प्रतशित जलिों में हुई हैं।
- एक दशक में यह संख्या लगभग 2.4 मलियिन हो जाती है, जो काफी चंतिाजनक है।
- 'अतरिक्ति मृत्यु' दोनों लगिों के अंतरगत अपेक्षति मृत्यु दर और वास्तव में दर्ज की गई मृत्यु दर के मध्य का अंतर होता है।
- वास्तवकि संख्या का पता लगाने के लयि शोधकर्त्ताओं ने उन 46 देशों में इन दो संख्याओं के बीच अंतर की गणना की, जहाँ लैंगकि पक्षपात की समस्या नहीं थी।
- तत्पश्चात् उन्होंने इस अंतर का उपयोग एक समीकरण को परभिाषति करने के लयि कयिा, जसिकी सहायता से भारत में अतरिक्ति मौतों की वास्तवकि संख्या का पता लगाया जा सका।
- यह अध्ययन जन्म के पश्चात् की मौतों पर आधारति है। इसमें कहा गया है कि यह समस्या मुख्य रूप से उत्तर भारत में व्याप्त है।
- इस क्षेत्र के चार बड़े राज्य (उत्तर प्रदेश, बहिार, राजस्थान, मध्य प्रदेश) भारत में होने वाली पाँच साल से कम उम्र की बालकिाओं की अतरिक्ति मौतों में दो-तहिाई का योगदान देते हैं।
- उत्तर प्रदेश में अतरिक्ति महलिा मृत्यु दर (excess female mortality) 30.5 दर्ज की गई, जबकि बिहार में यह आँकड़ा 28.5, राजस्थान में 25.4, और मध्य प्रदेश में यह 22.1 था।
- 2000-2005 की अध्ययन अवधि में 0-4 वर्ष की आयु वर्ग की बालकिाओं में अतरिक्ति मृत्यु दर का औसत स्तर 18.5 प्रति 1000 जीवति जन्म था।
- अध्ययन के अनुसार, इस समस्या से सर्वाधकि प्रभावति ग्रामीण और कृषि गतविधियिों में संलग्न क्षेत्र थे।
- इन क्षेत्रों में शकि्षा का नमि्न स्तर, उच्च जनसंख्या घनत्व, नमि्न सामाजकि-आर्थकि वकिास जैसी समस्याएँ वद्यिमान पाई गईं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gender-bias-caused-excess-deaths-of-girls-under-5-lancet-study